भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 751
दिनांक 26 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

जन औषधि केंद्रों का विकास

751. श्री तेजस्वी सूर्याः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विगत वर्षों में जन औषधि केन्द्रों में उत्पादों के समूह में वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत दस वर्षों के दौरान जन औषधि केन्द्रों से कितनी आय हुई और इस योजना के आरंभ से अब तक कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है;
(घ) क्या सरकार जन औषधि केन्द्रों पर आयुर्वेदिक अथवा आयुष औषधियां भी उपलब्ध करा रही है और यदि हां, तो वर्तमान में उपलब्ध उत्पादों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या विशिष्ट जन औषधि केन्द्रों के मालिकों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो महिला स्टोर मालिकों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (सुश्री अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): पिछले 5 वर्षों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) की उत्पाद संख्या में विशिष्ट वृद्धि हुई है, जिसमें इस समय 2047 दवाइयाँ और 300 सर्जिकल और चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं। ये दवाएं सभी चिकित्सीय समूहों अर्थात् एनाल्जेसिक एवं एंटीपायरेटिक / एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीडायबिटिक, एंटी-बायोटिक एवं एंटी-फंगल, कार्डियोवैस्कुलर, साइकोट्रॉपिक, डर्माटोलॉजी, विटामिन एवं खनिज, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, रेस्पीरेटरी, एंटी-कैंसर आदि को कवर करती हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान उत्पाद संख्या में वृद्धि का विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	दवाइयों की संख्या	सर्जिकल और चिकित्सा उपभोग्य वस्तुओं की संख्या	कुल
2019-2020	900	154	1054
2020-2021	1450	204	1654
2021-2022	1616	250	1866
2022-2023	1759	280	2039
2023-2024	2047	300	2347

(ग): पिछले 10 वर्षों में बिक्री कारोबार में 200 गुना वृद्धि हुई है। यह वर्ष 2014 में 7.29 करोड़ रुपये से बढ़कर दिनांक 30.06.2024 तक 1470 करोड़ रुपये हो गया।

(घ): पीएमबीजेपी के तहत, उत्पाद संख्या में 5 आयुर्वेदिक उत्पाद जोड़े गए हैं, जो वहनीय दरों पर उपलब्ध हैं। ये उत्पाद हैं च्यवनप्राश स्पेशल 500 ग्राम, च्यवनप्राश स्पेशल 1000 ग्राम, त्रिफला, शिलाजीत और अश्वगंधा।

(ङ): पीएमबीजेके की संख्या वर्ष 2014 में 80 से बढ़कर दिनांक 30.06.2024 की स्थिति के अनुसार 12,616 हो गई है, जिनमें से 4,446 पीएमबीजेके महिला उद्यमियों द्वारा खोले गए हैं।

*****